पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-डी.एल. (एन.)/084/2012-14 प्रकाशित: 1.2.2013 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्,दिल्ली

विशाल धन्यवाद बैठक

रविवार, 10 फरवरी 2013, प्रात: 11.00 बजे
स्थान: सार्वदेशिक सभा मुख्यालय
महर्षि दयानन्द भवन,
आसफ अली रोड़,नई दिल्ली
प्रीतिभोज: दोपहर 1.30 बजे
कृपया सभी साथी समय पर पहुंचे
-डा.अनिल आर्य,राष्ट्रीय अध्यक्ष

वर्ष-29 अंक-17 माघ-2069 दयानन्दाब्द 189 1 फरवरी से 15 फरवरी 2013 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 1.2.2013, E-mail : aryayouth@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

तीन दिवसीय राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन का भव्य समापन

तुष्टिकरण की नीति राष्ट्र के अस्तित्व के लिए घातक -आर्य नेता डा.अनिल आर्य

जातिवादी आरक्षण ने समाज की समरसता को छिन्न भिन्न कर दिया है-स्वामी आर्य वेश

सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए स्वामी आर्यवेश जी, मंच पर बाएं से श्री गोविन्द सिंह भण्डारी (प्रधान, आर्य प्रतिनिधि सभा, उत्तराखण्ड), स्वामी वेदानन्द जी (उत्तराखण्ड), स्वामी सौम्यानन्द जी (मथुरा), स्वामी दिव्या नन्द जी (योगाधाम, हरिद्वार), डॉ. अनिल आर्य आदि। द्वितीय चित्र में उत्तरी दिल्ली की महापौर श्रीमती मीरा अग्रवाल का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी, डॉ. अनिल आर्य, श्रीमती उर्मिला आर्य व स्वामी दिव्यानन्द जी।

नई दिल्ली।रविवार, 27 जनवरी 2013, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के 34 वें वार्षिकोत्सव पर आयोजित ''अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन'' का रामलीला मैदान, अशोक विहार, दिल्ली में भव्य समापन हो गया। सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रान्तों से लगभग 5000 आर्य प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। सम्मेलन का शुभारम्भ 251 कुण्डीय विश्व शान्ति महायज्ञ के साथ हुआ जिसमें कड़कती सर्दी के बावजूद हजारों श्रद्धालुओं ने प्रात: काल पहुंच कर अपनी पवित्र आहुति समर्पित की। यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य अखिलेश्वर जी महाराज ने कहा कि वेदों के रास्ते पर चल कर ही विश्व में शान्ति स्थापित हो सकती है। आर्य प्रतिनिधि सभा लखनऊ उतर प्रदेश के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी ने ध्वजारोहण कर सम्मेलन का उद्घाटन किया। श्री दर्शन अग्निहोत्री, राजेश गुप्ता, जीवनलाल आर्य, ओमप्रकाश नागिया, सुदेश अरोड़ा, डा. रमाकान्त गुप्ता मुख्य यजमान रहे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि वोट बैंक की सरकारी तुष्टिकरण की नीति ''राष्ट्र के अस्तित्व के लिए ही घातक है'', उन्होंने जोर देकर कहा कि आज सभी राजनीतिक दल वोटों के चक्कर में अपने सिद्वान्त, राष्ट्रीय कर्तव्यों, दायित्वों को भूलते जा रहे हैं जो कि दुर्भाग्यपूर्ण है। जब राष्ट्र ही नहीं रहेगा तो बताओ राज किस पर करोगे। डा. आर्य ने कहा कि हिन्दु के मजबूत होने से ही राष्ट्र मजबूत होता है और हिन्दु के कमजोर होने से राष्ट्र कमजोर होगा आप कश्मीर, आसाम, भिजोरम आदि के हालात देख सकते हैं जहां जहां हिन्दु कमजोर या अल्पसंख्यक हुआ वह हिस्सा देश से टूटा है तथा वहां अलगाववाद, देशद्रोह के स्वर उठे हैं। आर्य समाज के कार्यकर्ता देश भर मे राष्ट्रीय एकता, अखण्डता को मजबूत करने के लिए जाकर कार्य करेंगे।

वैदिक विरक्त मण्डल व सार्वदेशिक सभा के मन्त्री स्वामी आर्य वेश जी ने कहा कि जातिवाद आज समाज के लिए नासूर बन चुका है, जब तक वेदों के अनुसार गुण, कर्म, स्वभाव पर आधारित व्यवस्था नहीं होगी तब तक समाज में एकता की बात बेमानी है, आप दौड़ प्रतियोगिता में बराबर पंहुचने के लिए एक व्यक्ति को 100 मीटर पर, दूसरे को 200 मीटर पर व तीसरे को 300 मीटर पर खड़ा कर दौड़ प्रतियोगिता करवायेंगे तो बताओ समाज में दूरियां, विघटन बढ़ेगा के नहीं आप स्वयं विचार कर सकते हैं जातिवादी आरक्षण ने सामाजिक समरसता को छिन्न भिन्न कर दिया है, विघटन की इस प्रक्रिया को रोकने के लिए बलिदानों की आवश्यकता पड़ेगी। देश के सभी युवाओं को आगे बढ़ने के समान अवसर बिना किसी जाति, लिंग के आधार पर मिलने चाहिये।

उतरी दिल्ली की महापौर श्रीमती मीरा अग्रवाल ने कहा कि महर्षि दयानन्द ने नारी जाति पर अनेकों उपकार किये वेदों को पढ़ने का समान अधिकार दिया, शिक्षा देने व समाज में समान स्थान देकर बराबरी का अवसर प्रदान किया। महिला समाज महर्षि दयानन्द का सदैव ऋणी रहेगा। आज नारी को उपभोग की वस्तु मान लिया गया है जिससे समाज में अपराध बढ़ रहे हैं।

डा.महेन्द्र नागपाल (नेता सदन,उतरी दिल्ली नगर निगम) ने कहा कि भगवा रंग हमारी पुरातन भारतीय संस्कृति की त्याग, तपस्या का प्रतीक है, केन्द्रीय गृहमन्त्री का ब्यान अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है तथा आतंकवदियों के हौसले बढ़ाने वाला है। हरिद्वार से पधारे स्वामी दिव्यानन्द सरस्वती ने कहा कि योग के माध्यम से हम अपने जीवन को सुखी व निरोग बना सकते हैं। पौढ़ी गढ़वाल से पधारे

(शेष पृष्ठ 2 पर)

आर्य महासम्मेलन अशोक विहार के भव्य पंडाल में हजारों की संख्या में उपस्थित आर्य नर-नारियों का सुन्दर दृश्य

शिंदे का खतरनाक बयान

अवधेश कुमार

संप्रग सरकार की ओर से पहली बार संघ परिवार पर आतंकवाद पैदा करने का आरोप नहीं लगा है, पर गृहमंत्री सुशील कुमार शिंदे ने जिस बेलाग तरीके से एक ही पंक्ति में पहले भाजपा और बाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नाम लेकर अपने प्रशिक्षण केन्द्रों में आतंकवाद का प्रशिक्षण देने का आरोप लगाया है वह असाधारण है। पूर्व गृहमंत्री पी. चिदम्बरम कई बार देश में भगवा या हिन्दू आतंकवाद पैदा होने को चिंताजनक बता चुके थे, पर कभी इस तरह सीधे संगठन का नाम तथा आतंकवाद का प्रशिक्षण देने की बात उन्होंने नहीं कही। हालांकि कांग्रेस चिंतन शिविर के अंदर जो कुछ शिंदे ने कहा बाहर आते ही उससे अलग बयान दे दिया। पूछने पर कहा कि हमने भगवा आतंकवाद की बात की है। जब पूछा गया कि इसके पूर्व कभी भाजपा पर ऐसा आरोप नहीं लगा था तो उनका जवाब था कि पहले ही अखबारों में बहुत कुछ आ चुका है और मैंने कोई नई बात नहीं कही है। तो बाहर वे अखबारों की बात कह रहे थे और अंदर खुफिया रिपोर्ट की। कांग्रेस ने प्रतिकूल राजनीतिक प्रतिध्वनि का आभास होते ही इससे अपने को अलग किया, पर इतने से मामला समाप्त नहीं होनेवाला। अगर गृहमंत्री चुप हुए तो दूसरे रुप में गृह सचिव ने 10 लोगों का नामोल्लेख करके वही संदेश देने की कोशिश की है। गृहमंत्री के मुख से इस प्रकार की बातें अफसोसजनक नहीं आपत्तिजनक और देश की दृष्टि से खतरनाक भी है। पता नहीं शिंदे ने ऐसा बोलने के पूर्व भारत के लिए इसके निहितार्थों पर विचार किया था या नहीं।

आप देख लीजिए, पाकिस्तान में जमात–उद–दावा प्रमुख हाफिज सईद तक इस बयान को आधार बनाकर यह आरोप लगा रहा है कि पाकिस्तान में आतंकवाद के पीछे भारत का हाथ है। यह तो पहली प्रतिध्वनि है। आगे यदि देश में कोई आतंकवादी हमला होगा और हमारी एजेंसियों को पाकिस्तान के किसी संगठन के हाथ का सबूत मिलेगा भी तो वह हमें कह सकता है कि पहले अपने यहां के संगठनों की जांच करा लीजिए, फिर हमें कहिएगा। कहने का तात्पर्य यह कि विदेश भूमि से संगठित आतंकवाद के शिकार एक देश के रुप में आतंकवाद से संघर्ष की धार कमजोर हो जाएगी। हम संयुक्त राष्ट्रसंघ सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव से बंधे हैं जिसके अनुसार आतंकवाद से किसी तरह जुड़े समूह और संगठन के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करना अपरिहार्य है। इसके अलावा हमारे स्वयं का गैर कानूनी गतिविधियां निवारक कानून में भी ऐसे व्यक्तियों या समूहों को प्रतिबंधित कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई का प्रावधान है। गृह मंत्री के हाथों देश की सुरक्षा का दायित्व है, उनके पास सारी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्टें होतीं हैं। यदि उनके पास ऐसी रिपोर्ट है कि भाजपा एवं संघ के किसी या कई प्रशिक्षण शिविरों में बाजाब्ता आतंकवाद का प्रशिक्षण दिया गया तो उन्हें देश के सामने लाना चाहिए। अगर सबूत नहीं है तो इस प्रकार की बात ऐसा अपराध है जिसके लिए उन्हें किसी सूरत में क्षमा नहीं किया जा सकता।

यह बात समझ से परे है कि जो भाजपा देश की मुख्य विपक्षी दल है, जिसके नेतृत्व में राजग मुख्य विपक्षी गठजोड़ है, जिसने देश पर पांच वर्ष से ज्यादा शासन किया है, पांच राज्यों में जिसकी सरकार है, दो राज्यों में सहयोगियों के साथ सरकार चल रही है और एक राज्य की सरकार अभी भंग की गई है, उस पर आतंकवाद का आरोप लगाया जाए! अगर भाजपा आतंकवादियों की पार्टी है तो फिर सरकार उसे प्रतिबन्धित कर उसके नेताओं को गैर कानूनी गतिविधियां निवारक कानून के तहत जेल में बंद किया जाए। आतंकवाद सामान्य राजनीतिक आरोप–प्रत्यारोप के दायरे में नहीं आता। जहां तक संघ की बात है तो उसके संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि भाजपा और उसका रिश्ता है, भाजपा के ज्यादातर नेता संघ की शाखा से निकले हैं और आज भी वे स्वयं को स्वयंसेवक कहते हैं। इसलिए कानूनी तौर पर संघ एवं भाजपा को बिल्कुल अलग नहीं किया जा सकता है।

यह बात ठीक है कि 2007 के हैदराबाद की मक्का मस्जिद, मालेगांव, समझौता एक्सप्रेस एवं बाद की अजमेर दरगाह विस्फोट के संदर्भ में अब ऐसे लोग गिरफ्तार हुए हैं जो हिन्दू हैं और जिनका संबंध संघ या संघ द्वारा मान्य संगठनों से भी संबंध रहा है। हालांकि अभिनव भारत संगठन का संघ से संबंध नहीं है। वैसे इन पर अभी तक केवल आरोप लगे हैं, न्यायालय द्वारा प्रमाणित नहीं किए गए है। बावजूद इसके अगर इनमें सच्चाई है तो इसका अर्थ यही है कि देश में हिन्दुओं के अंदर भी आतंकवाद की प्रतिकिया में आतंकवादी गतिविधयों को अंजाम देने का भाव पैदा हुआ है। यह अत्यंत खतरनाक स्थिति है और इसका शमन अनिवार्य है। लेकिन अभी तक किसी भी छानबीन में यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि संघ ने संगठित तौर पर आतंकवाद को किसी स्तर पर प्रायोजित, नियोजित और अंजाम देने की कोशिश की हो। राष्ट्रीय अन्वेषण एजेंसी या एनआईए के आरोप पत्रों में वर्णित कथाओं से यही निष्कर्ष निकलता है कि यह सब कुछ नासमझ और सिरफिरे लोगों की भयावह आपराधिक सोच और कतृत्व की परिणति थी और इसे उसी तरह लिया जाना चाहिए था। वैसे भी हिन्दू आतंकवाद शब्द प्रयोग ही अपने–आप आपत्तिजनक है। अगर इसका कोई संगठित स्वरुप होता तो यह मानने का कोई कारण नहीं है कि सरकार इसे सामने लाने से हिचकती। आखिर माओवादी आतंकवाद को लेकर हमारे पास गृह मंत्रालय की रिपोर्ट है, जेहादी आतंकवाद के संदर्भ में भी रिपोर्टें हैं। वास्तव में भारत वैश्विक स्तर पर संगठित जेहादी आतंकवाद के निशाने पर है और उससे इसकी तुलना की ही नहीं जा सकती। यह न भूलें कि भारत में अक्टूबर 2001 से अब तक जो 100 से ज्यादा आतंकवादी हमले हुए उनमें से केवल चार के आरोप इन पर हैं। आतंकवाद का एक भी हमला हमारे लिए चिंता का विषय है, पर यह जितना और जिस स्तर पर है उतना ही माना जाना चाहिए। इसका एक पहलू यह है कि अगर जेहादी आतंकवाद के हमलों से प्रतिशोध लेने का भाव किसी हिन्दू के मन में आया और वह इस विनाशकारी दिशा में अग्रसर हुआ तो क्यों?इस पर पूरे देश को ईमानदारी और गंभीरता से विचार करना चाहिए था। उल्टे शिंदे के बयान से यह साबित होता है कि सरकार इसका राजनीतिक दुरुपयोग करने पर आमादा है।

देश में राजनीतिक और वैचारिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे बयान को समर्थन भी मिल जाता है। यह हमारे देश का दुर्भाग्य है कि आतंकवाद जैसी देशघातक समस्या पर नेता ऐसी मनोवृत्ति रखते हैं। देश की चिंता करने वाला कोई भी दल निरपेक्ष व्यक्ति गृहमंत्री के बयान से पीड़ा और उद्वेलन से भर जाएगा। शिंदे का यह रवैया केवल उनकी योग्यता पर ही नहीं, उनकी ईमानदारी पर भी संदेह पैदा करता है। अगर कांग्रेस को आगामी लोकसभा चुनाव में नरेन्द्र मोदी की चुनौती दिख रही है तो उसका तरीका यह नहीं हो सकता। राजनीतिक–वैचारिक विरोध का सामना राजनीतिक–वैचारिक धरातल पर ही किया जाना चाहिए। सरकार पहले ही राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ सीबीआई के दुरुपयोग का आरोप झेल रही है, अब उसे छवि कलंकित करने के आरोप का सामना करना होगा। किंतु इसका सबसे खतरनाक पक्ष है विश्व स्तर पर होने वाली प्रतिध्वनि। गृहमंत्री का वक्तव्य देश की सुरक्षा स्थिति पर अधिकृत वक्तव्य होता है। अगर आतंकवाद से संघर्ष के मामले पर भारत का साथ देने वाले देश इसके अनुसार अपना नजरिया बदल लें तथा संयुक्त राष्ट्र तक इसका संज्ञान ले तो फिर हमारे लिए इस मोर्चे पर कितनी कठिनाइयां पैदा हो जाएंगी इसकी कल्पना से ही चिंता बढ़ जाती है। इसलिए शिंदे ने जो भी कहा उसके पीछे उनकी मंशा भले सरकार की पीठ थपथपानी या कांग्रेस को लाभ पहुंचाना हो इसका परिणाम किसी भी स्तर पर अच्छा नहीं हो सकता। कांग्रेस के लिए भी यह बयान अंततः गले की हड्डी ही साबित होगी।

ई.:30, गणेश नगर, पांडव नगर कॉम्पलेक्स, दिल्ली:,दूर:.01122483408, 09811027208

(पृष्ठ 1 का शेष)

ब्र. विश्वपाल जयन्त ने कहा कि आज विदेशों में वैदिक धर्म के प्रति श्रद्धा बढ़ रही है। आपने कहा कि हमें अपने प्रचारक तैयार करके विदेशों में भेजने चाहिये। सरदार एस.एस. गुलशन, (जालन्धर), नरेन्द्र आर्य 'सुमन', आचार्य योगेन्द्र शास्त्री, पं. घनश्याम प्रेमी, पं. रमेशचन्द स्नेही के मधुर भजन हुए। युवा प्रवक्ता ब्र. रामचंद्र आर्य, (सोनीपत), आचार्य रमेशचंद्र शास्त्री, ओम सपरा, सी.एल.मोहन, अमीरचन्द रखेजा, राजेन्द्र लाम्बा, सत्यपाल गांधी, जीवनलाल आर्य, रामहेत आर्य, कांतिप्रकाश आर्य, दुर्गेश आर्य, यशोवीर आर्य ने भी समारोह में भाग लिया।

पूर्व विधायक मांगेराम गर्ग, वैदिक विद्वान स्वामी चन्द्रवेश जी (उ.प्र.),गोपाल दुर्गा (अमेरिका), डा. वीरपाल विद्यालंकार, आचार्य कृष्णप्रसाद कौटिल्य (झारखण्ड), प्रो.सारस्वत मोहन मनीषी, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, आचार्य चन्द्रशेखर शर्मा, डा. धर्मपाल आर्य (पूर्व कुलपति, गुरूकुल कांगड़ी), गोबिन्दसिंह भण्डारी (बागेश्वर, उतराखण्ड), सुरेन्द्र कोहली, प्रभा सेठी, उर्मिला आर्या, पूर्व महापौर शकुन्तला आर्या, वैद्य इन्द्रदेव, प्रेम सब्बरवाल, आचार्य वीरेन्द्र विक्रम, सुभाष आर्य (जम्मू), मित्रमहेश आर्य (अहमदाबाद), आनन्द प्रकाश आर्य (हापुड़), स्वामी श्रद्धानन्द सरस्वती (पलवल), सत्यभूषण आर्य (फरीदाबाद),स्वतन्त्र कुमार (करनाल), अशोक आर्य, (पंचकुला), राजीव रंजन, (गुरूदासपुर, पंजाब), स्वामी धर्ममुनि जी (बहादुरगढ़), स्वामी सौम्यानन्द जी (मथुरा), रमाकान्त सारस्वत व हरिशकर अग्निहोत्री, (आगरा), रामकृष्ण शास्त्री (बहरोड़), ब्र. दीक्षेन्द्र (रोहतक), योगेन्द्र शास्त्री (जीन्द), प्रकाशवीर बत्रा, सुशील शर्मा (शामली), मनोहरलाल चावला (सोनीपत), विमला ग्रोवर, आचार्य महेन्द्र भाई, रामकुमार सिंह, डा. नरेन्द्र वेदालंकार, देवेन्द्र भगत, अरविन्द मिश्रा, डा.रचना विमल दूबे, कै. अशोक गुलाटी, स्वामी यज्ञानन्द, विजय आर्य (मोहाली) आदि ने अपने विचार रखे । पूरा अशोक विहार का क्षेत्र ओ३म् के केसरिया झण्डों से सजा हुआ था । देश के कोने-कोने से पधारे हजारों आर्य जन अत्यन्त उत्साह के साथ नये संकल्प व उर्जा के साथ घरों को लौटे।

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन की सचित्र झलकियां

251 कुण्डीय विराट यज्ञ के ब्रह्मा आचार्य अखिलेश्वर जी एवम् साथ में स्वामी दिव्यानन्द जी, डॉ. अनिल आर्य, श्री महेन्द्र भाई जी वा स्वामी आर्य वेश जी। द्वितीय चित्र में समारोह का उद्घाटन करते हुए आचार्य अखिलेश्वर जी साथ में स्वामी दिव्या नन्द जी, श्री माया प्रकाश त्यागी जी, श्री प्रकाश बत्रा, श्री रमाकान्त सारस्वत (आगरा), स्वामी चन्द्रवेश (गाजियाबाद) व डॉ. अनिल आर्य आदि

विधायक श्री हरि शंकर गुप्ता का अभिनन्दन करते डॉ. अनिल आर्य, स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी चन्द्रवेश जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, आचार्य प्रेम पाल शास्त्री आदि। द्वितीय चित्र में श्री सुरेन्द्र कोहली ''ओ३म'' ध्वज का आरोहन करते हुए।

यज शाला का सुन्दर दृश्य, मुख्य यजमान के आसन पर श्री दर्शन अग्निहोत्री, डॉ. रमाकान्त गुप्ता, श्रीमती सुदेश अरोड़ा, श्री राजेश गुप्ता व माता सुशीला आर्या आदि। द्वितीय चित्र में आर्य समाज अशोक विहार के प्रचार मन्त्री श्री जीवन लाल आर्य सपत्नीक मुख्य यजमान एवम् साथ में डॉ. अनिल आर्य, श्रीमती प्रवीण आर्या व श्री महेन्द्र भाई जी

आर्यो की विशाल शोभा यात्रा का नेतृत्व करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल आर्य, स्वामी आर्यवेश जी, श्रीमती प्रवीण आर्या, स्वामी दिव्यानन्द जी, श्री विजय आर्य (मोहाली), श्री अनिल हाण्डा, डॉ. मुकेश सुधीर, श्री सुभाष आर्य (जम्मू) आदि। द्वितीय चित्र में समाज सेवी श्री प्रकाशवीर बत्रा का अभिनन्दन करते हुए डॉ. अनिल आर्य, स्वामी दिव्यानन्द जी, स्वामी आर्यवेश जी, कै. अशोक गुलाटी, श्री रामफल आर्य (मुजफ्फर नगर), राजेन्द्र खारी आदि।

महर्षि दयानन्द जन्म दिवस समारोह

दिनांकः बृहस्पतिवार, 7 मार्च 2013, प्रातः 10 से 1.30 बजे तक

स्थानः हिन्दी भवन, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, आई.टी.ओ, नई दिल्ली-110002.

ऋषि-लगंरः दोपहर 1.30 से 2.30 बजे तक ।

गुरूवर देव दयानन्द को श्रद्धांजलि देने आप सपरिवार सादर आमन्त्रित हैं

डा.अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष

महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय महामन्त्री

आभार ज्ञापन व अपील

परमपिता परमात्मा की अपार कृपा से **अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन** दिनांक 25,26,27 जनवरी 2013 को रामलीला मैदान,अशोक विहार,दिल्ली में शानदार सफलता के साथ सम्पन्न हुआ। शरद ऋतु के बावजूद सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रान्तों से हजारों आर्य जनों की गरिमामय उपस्थिति ने समारोह में चार चांद लगा दिये। **हम आप सभी का हार्दिक आभार व धन्यवाद व्यक्त करते हैं।** जिन सज्जनों ने इस महान यज्ञ में अभी तक अपनी आहुति नहीं भेजी है उनसे अनुरोध है कि कृपया अपना योगदान अविलम्ब **''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली''** के नाम से क्रॉस चैक/ड्राफ्ट द्वारा -आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-07 के पते पर भिजवाने की कृपा करें।आपके रचनात्मक सुझावों का स्वागत है। आपका स्नेही:- **-डा. अनिल आर्य**

पुस्तक 'शून्य से शिखर तक' का विमोचन व आस्था आर्या सम्मानित

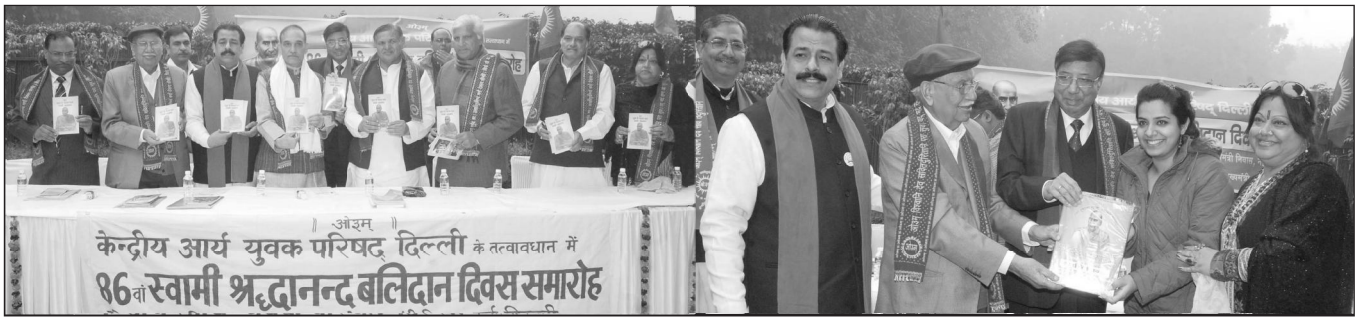

दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित के निवास पर आयोजित स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस के अवसर पर डॉ. सुन्दर लाल कथूरिया की पुस्तक ''शून्य से शिखर तक'' का विमोचन करते डॉ. योगानन्द शास्त्री (अध्यक्ष दिल्ली विधान सभा) एवं डॉ. रमाकान्त गोस्वामी (परिवहन मन्त्री, दिल्ली सरकार) साथ में डॉ. डी.के. गर्ग, श्री बृज मोहन लाल मुंजाल (चेयरमैन, हीरो मोटर कॉर्प) डॉ. अनिल आर्य, डा. सत्यपाल सिंह (पुलिस कमिशनर, मुम्बई), डॉ. अशोक कुमार चौहान (अध्यक्ष एमेटी शिक्षण संस्थान, श्री सुरेन्द्र कोहली, श्रीमती प्रवीन आर्य आदि। द्वितीय चित्र में आस्था आर्या को सम्मानित करते श्री बृज मोहन लाल मुंजाल, डॉ. अशोक कुमार चौहान, डॉ. अनिल आर्य व श्रीमती प्रवीन आर्य।

राष्ट्रीय आर्य महिला सम्मेलन सम्पन्न

राष्ट्रीय आर्य महिला महासम्मेलन में सम्बोधित करते हुए पूर्व महापौर श्रीमती शकुन्तला आर्या एवम् मंच पर बाएं से संयोजक श्रीमती उर्मिला आर्या, विम्मी अरोड़ा, श्रीमती प्रभा सेठी, श्रीमती रचना आहुजा, डॉ. रचना विमल दूबे, माता स्वर्णा गुप्ता, माता प्रेम सव्वरवाल, बहन प्रवेश और पूनम जी। द्वितीय चित्र में आर्य समाज अशोक विहार, फेज-3 की मन्त्री श्रीमती प्रेम सव्वरवाल के भव्य अभिनन्दन का सुन्दर दृश्य।

डॉ. महेन्द्र नागपाल व श्री माया प्रकाश त्यागी का अभिनन्दन

परिषद् के विशिष्ट सहयोगी डॉ. महेन्द्र नागपाल (नेता सदन, उत्तरी दिल्ली नगर निगम) का स्वागत करते डॉ. अनिल आर्य, साथ में श्री राम कुमार सिंह, श्री कृष्ण चन्द पाहुजा, श्री महेन्द्र भाई जी। द्वितीय चित्र में आर्य नेता श्री माया प्रकाश त्यागी का अभिनन्दन करते आचार्य अखिलेश्वर जी, स्वामी चन्द्रवेश जी, स्वामी दिव्यानन्द जी, डॉ. अनिल आर्य व श्री राम कुमार सिंह जी।

व्यायाम सम्मेलन में प्रदर्शन करते हुए आर्य युवक। द्वितीय चित्र में श्रीमती अर्चना सरदाना के अभिनन्दन का दृश्य

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मयंक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548504 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970